Special Agro Advisory Bulletin

(ICAR-CIARI, Sri Vijaya Puram)

(Valid for: 3rd to 7th June 2026)

State: Andaman and Nicobar Islands **Issue Date: 02/06/2026**

Weather Warning:

Thunderstorm, lightening & gusty winds (40-50 kmph) at isolated places during next 5 daysvery likely over Andaman and Nicobar.

SMS Advisory:

Thunderstorm, lightning and gusty winds (40–50 kmph) are likely during the next five days. Ensure proper field drainage, provide support to banana and other tall crops, avoid spraying and field operations during adverse weather, and keep livestock in secure shelters away from trees and electric poles.

General Advisory:

Avoid all field operations during thunderstorms and lightning events. Maintain effective drainage in crop fields and orchards to prevent water stagnation. Secure farm inputs, harvested produce and farm structures. Postpone pesticide and fertilizer application during rainy and windy periods. Regularly monitor crops, livestock and fish ponds for weather-induced damage and pest or disease incidence.

Special Agro Advisory:

Crops / Livestock	Crop Stage	Likely Impact	Agro Advisory
Paddy	Pre-nursery / Nursery	Heavy showers may cause seed loss, nursery bed erosion and water stagnation.	Raise nurseries on elevated beds with proper drainage channels. Use quality treated seed and avoid sowing during thunderstorm periods.
Banana	Fruiting	Gusty winds may cause lodging, pseudostem snapping, root instability and bunch damage.	Provide sturdy propping with bamboo poles, earth up around the base and maintain drainage. Remove damaged leaves and pseudostem parts to minimize disease entry.
Fruit Crops (Mango, Guava, Sapota, Citrus, Papaya)	Fruiting	Fruit drop, branch breakage and increased fungal infection under humid conditions.	Collect and destroy fallen fruits, support heavily loaded branches, ensure orchard sanitation and postpone spraying during rainy weather.
Spice Crops (Black Pepper, Clove, Nutmeg)	Establishment / Vegetative	Waterlogging and strong winds may affect young plants and root health.	Maintain drainage around basins, provide staking to young plants and defer fertilizer application during rainy spells.
Vegetables	Vegetative / Fruiting	Waterlogging, root rot, foliar diseases and physical damage due	Keep fields well-drained, provide support to climber vegetables, remove diseased

		to wind.	plant parts and undertake plant protection measures only during dry weather windows.
Coconut &Arecanut	Nut Development	Strong winds may cause nut fall and damage to fronds.	Harvest mature nuts, remove loose and dried fronds, and ensure drainage around palms to avoid root stress.
Livestock	General Management	Risk of lightning injury, stress and disease outbreaks under wet conditions.	House animals in well-ventilated dry shelters away from isolated trees and electric poles. Provide clean drinking water, dry fodder and monitor for respiratory and parasitic infections.
Fisheries	Pond Culture / Broodstock Management	Runoff may alter water quality, increase turbidity and stress fish.	Strengthen pond bunds, monitor water quality parameters, avoid overfeeding and undertake breeding or pond management activities only during favourable weather conditions.

विशेष कृषि परामर्श बुलेटिन
(ICAR-CIARI, श्री विजय पुरम)
(समयावधि: **3 से 7 जून,2026**)

राज्य: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह जारीकरनेकीतिथि: 02/06/2026

मौसम की चेतावनी:

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अगले 5 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ वर्षा, बिजली चमकने और 40–50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज़ झोंकेदार हवाएँ चलने की अत्यधिक संभावना है

SMS सलाह :
अगले 5 दिनों के दौरान कुछ जगहों पर आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 kmph) चल सकती हैं। खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें, केला एवं अन्य ऊँची फसलों को सहारा दें, प्रतिकूल मौसम के दौरान छिड़काव एवं कृषि कार्यों से बचें तथा पशुओं को पेड़ों और विद्युत खंभों से दूर सुरक्षित आश्रय में रखें।

सामान्यपरामर्श:
किसानों को सलाह दी जाती है कि वे आंधी-तूफान या बिजली कड़कने के दौरान खेतों में काम करने से बचें और जल भराव को रोकने के लिए फसल के खेतों में पानी की उचित निकासी सुनिश्चित करें । बीज, खाद और पशु आहार को सूखी जगहों पर रखें, तथा मौसम से होने वाले नुकसान के लिए फसलों और पशुधन की नियमित निगरानी करें।

विशेषकृषिसलाह:

फसल / पशुधन	फसल अवस्था	संभावित प्रभाव	कृषि परामर्श
धान	पूर्व–नर्सरी / नर्सरी	भारी वर्षा से बीज बहाव, नर्सरी क्यारियों का कटाव तथा जलभराव की संभावना।	नर्सरी ऊँची क्यारियों पर तैयार करें तथा उचित जल निकासी की व्यवस्था रखें। उपचारित एवं गुणवत्तायुक्त बीज का उपयोग करें तथा गरज–चमक के दौरान बुवाई से बचें।
केला	फलन अवस्था	तेज हवाओं से पौधों के गिरने, छद्म तने (प्सूडोस्टेम) के टूटने, जड़ों के कमजोर होने तथा घौंद (बंच) को नुकसान की संभावना।	फलधारी पौधों को बाँस से मजबूत सहारा दें, पौधों के आधार पर मिट्टी चढ़ाएँ तथा खेत में जल निकासी बनाए रखें। क्षतिग्रस्त पत्तियों एवं तने के भागों को हटाएँ।
फल फसलें (आम, अमरूद, चीकू, खट्टे फल,	फलन अवस्था	फलों का झड़ना, शाखाओं के टूटने तथा अधिक आर्द्रता के कारण फफूंदजनित रोगों का	गिरे हुए एवं संक्रमित फलों को एकत्र कर नष्ट करें। अधिक फल भार वाली शाखाओं को सहारा दें तथा वर्षा के दौरान

पपीता आदि)		प्रकोप बढ़ सकता है।	छिड़काव कार्य स्थगित रखें।
मसाला फसलें (काली मिर्च, लौंग, जायफल)	स्थापना / वानस्पतिक वृद्धि अवस्था	जलभराव एवं तेज हवाओं से नवस्थापित पौधों तथा जड़ों को नुकसान हो सकता है।	पौधों के चारों ओर उचित जल निकासी बनाए रखें, युवा पौधों को सहारा दें तथा वर्षा अवधि में उर्वरक प्रयोग टालें।
सब्जियाँ	वानस्पतिक / फलन अवस्था	जलभराव, जड़ सड़न, पर्ण रोग तथा तेज हवाओं से पौधों को क्षति की संभावना।	खेत में जल निकासी सुनिश्चित करें, बेलदार सब्जियों को सहारा दें तथा रोगग्रस्त पौध भागों को हटाएँ। पौध संरक्षण उपाय केवल शुष्क मौसम में अपनाएँ।
नारियल एवं सुपारी	फल/गिरी विकास अवस्था	तेज हवाओं से फल गिरने तथा पत्तियों को क्षति पहुँच सकती है।	परिपक्व फलों की तुड़ाई करें, सूखी एवं ढीली पत्तियों को हटाएँ तथा पौधों के आसपास जल निकासी बनाए रखें।
पशुधन	सामान्य प्रबंधन	आकाशीय बिजली, अधिक नमी एवं प्रतिकूल मौसम के कारण तनाव एवं रोगों का खतरा।	पशुओं को सूखे, हवादार एवं सुरक्षित शेड में रखें। उन्हें पेड़ों तथा विद्युत खंभों से दूर रखें तथा स्वच्छ पानी एवं सूखा चारा उपलब्ध कराएँ। श्वसन एवं परजीवी रोगों की नियमित निगरानी करें।
मत्स्य पालन	तालाब प्रबंधन / ब्रूडस्टॉक प्रबंधन	वर्षा जल के बहाव से जल गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, जिससे मछलियों में तनाव बढ़ सकता है।	तालाब के मेड़ों को मजबूत रखें, जल गुणवत्ता की नियमित निगरानी करें तथा अधिक भोजन देने से बचें। प्रजनन एवं अन्य प्रबंधन कार्य अनुकूल मौसम में ही करें।